भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड

Financial Education for

SCHOOL CHILDREN

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड

इस पुस्तक की विशय वस्तु भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा विकसित की गई है। इस पुस्तक की सामग्री भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड की निवेषक की सुरक्षा और षिक्षा कोश के लिए गठित सलाहकार समिति के दिषा–निर्देषों के तहत् तैयार की गई है।

डिस्कलेमर

सेबी का वित्तीय षिक्षा के लिए प्रयास करना जनता को सामान्य सूचना देने के लिए उठाया गया एक कदम है। इसका उद्देष्य प्रतिभूति विनिमय कानून, प्रावधान, निर्देष और इनके अंतर्गत आने वाले दिषा निर्देषों से जनता को अवगत कराना है। यह सामग्री इसी रूप में ूण्`मइपण्हवअण्पद पर भी उपलब्ध है।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा प्रकाषित

सेबी भवन,

प्लाट न. सी ४–ए,

जी ब्लाक, बांद्रा कुरिया कॉम्लैक्स, बांद्रा (ईस्ट), मुंबई–४०००५१

टेलीफोन– ९१–२२–२६४४९०००, ४०४५९०००, ९११४

फैक्स– ९१–२२–२६४४९०२७, ४०४५९०२७

ई मेल– मिमकइंबा/मइपण्हवअण्पद

इस पुस्तक को सही और त्रुटिहीन बनाने के लिए यथासंभव प्रयास किया गया है। कोई भी गलती, विसंगति या भूल सामने आने पर अगले संस्करण में उसका निराकरण करने के प्रयास किया जाएगा।

प्रकाषक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी भाग को छापना ,तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मषीनी, फोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण करना वर्जित है। ऐसा करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

LEARNING

विशय सूची

१– पैसे का सवाल : यह बहुत मायने रखता है।

२–बजट की तैयारी – आवष्यकताओं की प्राथमिकता

३– निवेष

(क)– अपने धन को सुरक्षित रखें और इसका सदुपयोग करें

(ख)– निवेष के तीन स्तंभ

(ग)– बैंकिंग

(घ)– बैंक खातों के प्रकार

४– निवेष मंत्र

(क) पैसे की कीमत

(ख) दुनिया के आठ आष्चर्य क्या हैं ?

(ग) कितने साल वास्तव में पर्याप्त है! कितनी दर पर्याप्त हैं ?

(घ) कभी भी नहीं छोड़ना

(ड) स्केटिंग अवे

(ढ) ७२ अंक का जादू

(च) मंहगाई की दीमक से सावधान

५– सही निवेष का विकल्प चुनना

६– संपत्ति आंवटन की रणनीति

७– बचत और निवेष संबधी उत्पाद

(क) बैंक

(ख) सरकारी योजनाएं

(ग) बांड

(घ) डिबेंचर्स

(ड) कंपनी सावधि जमा

(ढ) म्यूचुअल फंड

(च) इक्विटी षेयर

(छ) वित्तीय योजना सूची स्तंभ

(ज) आसान योजनाएं

(झ) गिरवी व्यवस्था

(त) निवेष दर्शन

८ सेबी के बारे में

स्टॉक मार्केट

पैसे का सवाल : यह बहुत मायने रखता है!

क्रियाविधि–१

रवि और मोहन ए बी सी स्कूल में कक्षा १० में पढ़ते है। एक दिन दोनों इस बात पर तर्क–वितर्क करने लगे कि उनमें से ज्यादा धनी कौन है? जब यह तर्क अपने चरम पर पहुंच गया, तब दोनों ने अपने पास मौजूद चीजों को जोडऩा और गिनना षुरू कर दिया। सबसे पहले रवि ने अपने पास मौजूद चीजों को जोड़ना षुरू किया। रवि ने निम्नलिखित चीजों को जोड़ा जो उसके पास उपलब्ध थी।।

क एक साईकिल , जिसकी कीमत – २२५० रुपये।

क एक घड़ी, जिसकी कीमत– ४७५ रुपये।

क कुछ किताबें, जिनकी कीमत– १,२५० रुपये।

क एक क्रिकेट का बल्ला , जिसकी कीमत ३४५ रुपये। इसके अलावा रवि के पास एक टेनिस रेकैट भी है जो उसने कुछ समय के लिए राजेष से उधार लिया है।

क पांच वंडर लैंड कॉमिक्स , जिनमें से प्रत्येक की कीमत ३५ रुपये है। इन पांच के अलावा रवि के पास दो कॉमिक्स और भी जो उसने अर्जुन से उधार ली है।

इसके बाद मोहन ने अपने पास उपलब्ध चीजों को जोड़ना षुरू किया

क कुछ किताबें, जिनकी कीमत– ७५० रुपये।

क बॉस्केट बॉल, जिनकी कीमत –६५० रुपये।

क एक मोबाइल फोन, जिसकी कीमत–१,००० रुपये है

क अपने दोस्त चंदन से उधार ली गई दो सीडी, जिनकी कीमत १०० रुपये है।

क एक टेनिस रेकैट जिसकी कीमत –१००० रुपये है

इसके अलावा मोहन के पास एक दूसरा टेनिस रेकैट भी है जो उसने कुछ समय के लिए पंकज से उधार लिया हुआ है।

रवि और मोहन अपने पास उपलब्ध चीजों और उनकी कीमतों के बारे में जानते है। लेकिन वे इस बात को नहीं जानते की यह कैसे सिद्ध किया जाए कि दोनों में से धनी कौन है? क्या आप यह बताने में उनकी मदद करेंगे कि उन दोनों में से धनी कौन है?

संपत्ति नेट वर्थ से निर्धारित होती है।

नेट वर्थ = संपत्ति – देनदारी

संपत्ति = जो आपके पास अपनी है।

देनदारियां = जो कुछ तुम्हे देना है।

क्रियाविधि– (२)

अब हम संपत्ति और देनदारियों के बारे में अपनी समझ बढ़ाने के लिए और आगे चलते है। नीचे श्रीमान् पवार की संपत्ति और देनदारियों का ब्यौरा दिया गया है। अप इन देनदारियों और संपत्ति के माध्यम से श्रीमान् पवार की संपत्ति के नेट वर्थ की गणना कर सकते हैं:

Speaking Money wise: You are worth your Net worth

सामान	कीमत (रुपये)	संपत्ति	देनदारी
बचत बैंक खाते की रकम	55,000		
सूचीबद्ध कंपनियों के षेयर	60,000		
कार	3,25,000		
घर	25,00,000		
फर्नीचर	12,500		
एयर कंडीषनर	14,000		
माइक्रोवेव	10,500		
लैपटॉप	22,000		
सोने के गहने	75,000		
जीवन बीमा–प्रीमियम	85,000		
कार लोन की बकाया राशि	2,00,100		
घर लोन की बकाया राशि	12,00,000		
दोस्त को दी हुई राषि	15,000		
बकाये का भुगतान	1,500		
कुल संपत्ति			
कुल देनदारी			

नेट वर्थ त्र कुल संपत्ति – कुल देनदारियां

श्रीमान् पवार के संपत्ति की नेट वर्थ है रुपये ––––––––––

योजना : सफलता के मंत्र

जीवन में हम सभी के कुछ न कुछ लक्ष्य जरूर होते हैं।
मैं एक क्रिकेट का बल्ला खरीदना चाहता हूं।
मैं पिकनिक पर जाना चाहता हूं।
मैं एक साइकिल खरीदना चाहता हूं।
मैं ए बी सी कॉलेज में प्रवेष लेना चाहता हूं।

क्या आपको सदैव इस बात पर अचरज होता है कि आपके कुछ लक्ष्य पूरा होने में देर होती है। या वे ठीक तरह से पूरे नहीं होते हैं। या फिर वे पूरे होते ही नहीं है। लक्ष्यों को पाने में आई इन दिक्कतों का कारण यह होता है कि हम इन लक्ष्यों के प्रति आषावान तो होते है, लेकिन इन्हे प्राप्त करने के लिए कोई सटीक योजना नहीं बनाते है। किसी भी लक्ष्य को पाने का पहला बिंदू उसके लिए योजना बनाने से षुरू होती है। जब आपके पास एक योजना होती है, तब उससे जुड़े लक्ष्य ज्यादा अस्पश्ट नहीं रह जाते हैं। बल्कि वह एक स्मार्ट लक्ष्य बन जाता है।

विशेष मापे जाने योग्य प्राप्त करने योग्य यथार्थपरक निर्धारित समयावधि

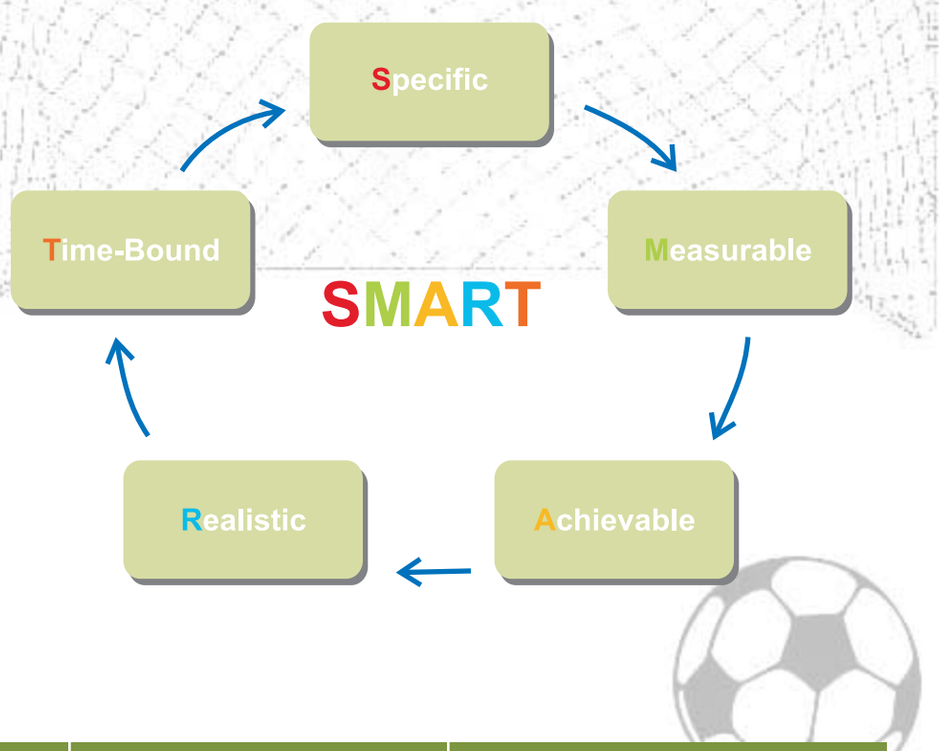

स्मार्ट	स्मार्ट न्ळभ।	स्मार्ट
विशेष	मैं पिकनिक पर जाना चाहती हूं	मैं पिकनिक के लिए माथेरान जाना चाहता हूं
मापा जाने योग्य	मुझे साइकिल खरीदने के लिए की जरूरत है	मुझे साइकिल खरीदने लिए 2000 रुपय की जरूरत होगी
प्राप्त करने योग्य	मैं अकेले क्रिकेट मैच जीत लूंगा	क्रिकेट मैच जीतने के लिए मुझे टीम का समर्थन चाहिए होगा
यथार्थवादी	लॉटरी लगने के बाद मैं साइकिल खरीद लूंगा	मैं साइकिल खरदीने के लिए बचत करना शुरू करुंगा
निर्धारित समय	मैं बल्ला निकट भविष्य में कभी खरीद लूंगाण	हर महीने 50 रु. की बचत से 10 महीन में बल्ला खरीद सकूंगा

क्रियाविधि (3)

नीचे आपके जैसे ही कुछ स्मार्ट बच्चों के लक्ष्य दिए गए है। आप उनके लिए स्मार्ट योजना तैयार करें। जिससे उनमें से हर एक अपने लक्ष्य को प्राप्त कर ले।

1

नाम– मितेष जैन

आयु– १५ वर्ष

स्कूल– मॉर्डन पब्लिक स्कूल

षौंक– फुटबाल खेलना

सपना– एक फुटबाल खरीदना चाहता है।

स्मार्ट लक्ष्य :

2

नाम– अंकिता सिंह

आयु– १४ वर्ष

स्कूल– लक्ष्मीबाई पब्लिक स्कूल

षौंक– क्रिकेट खेलना

सपना– एक क्रिकेट बैट खरीदना

स्मार्ट लक्ष्यः

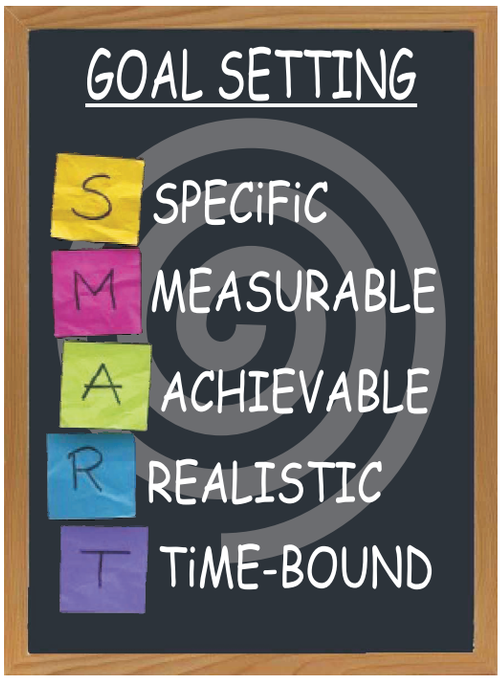

सफलता की बात– सफलता की सीढ़ी चढने के लिए आपके पास एक स्मार्ट लक्ष्य होना जरूरी है।

बजट बनाना– आवष्यकताओं की प्राथमिकता

जीत	जीत	किसी भी तरीके से
जीत	जीत	

क्रियाविधि (4)

श्रीमान् और श्रीमति सिंह को अपने परिवार की जरूरतों मांगों की फेहरिस्त निम्नलिखित है:

१– श्रीमति सिंह की मां को जन्मदिन पर गिफ्ट देने के लिए एक षॉल (सर्दियों के लिए) खरीदनी है।

२– बड़ा बेटा साहिल यहां–वहां जाने के लिए साइकिल की मांग कर रहा है।

३– छोटा बेटा रोहन एक आधुनिक विडियो गेम की मांग कर रहा है।

४– श्रीमति सिंह को एक दोस्त की षादी में जाना है , उसके लिए उसे एक गिफ्ट चाहिए। गिफ्ट सोने का भी हो सकता है।

५– दोनों किसी इंटीरियर डेकोरेटर से अपने घर की सजावट भी करवाना चाहते है।

अनिवार्यता और महत्व के हिसाब से मांगों की प्राथमिकता निर्धारित कीजिए। उसके हिसाब से आगे पहल करें :

प्राथमिकता क साथ जीत	जरूरी	जरूरी नहीं
महत्वपूर्ण	1.पहल के लिए जरूरी और महत्वपूर्ण : तत्काल करने की जरूरत	2. महत्वपूर्ण पर पहल जरूरी नहीं : बाद में करने की योजना बनाएं
महत्वपूर्ण नहीं	3. अत्यावष्यक पर पहल के लिए महत्वपूर्ण नहीं : पैसे की उपलब्धता के हिसाब से निपटाएं	4. ना ही जरूरी और ना ही महत्तवपूर्ण कार्य : छोड़ दें

मांग	जरूरी	महत्वपूर्ण	कार्य
श्रीमति सिंह के लिए षॉल	हां	हां	खरीदें
साहिल की साइकिल	नहीं	हां	बाद में योजना बनाएं
रोहन के लिए नया विडियोगेम	नहीं	नहीं	मत खरीदें
कॉमन फ्रैंड की षादी क लिए गिफ्ट	हां	नहीं	पैसे के हिसाब स कम मंहगा गिफ्ट खरीदें
घर की सजावट	नहीं	नहीं	छोड़ दें

याद रखें :

जो आवष्यकताएं बहुत जरूरी होती है, उन्हे छोड़ा नहीं जा सकता है। उदाहरण के लिए आपको गर्मियों के लिए एक पंखे की जरूरत है। दूसरी और आप अपने जीवन को आरामदायक बनाना चाहते है, जिसके लिए आप एक एयर कंडीषनर खरीदना चाहते है।

क्रियाविधि (6)नीचे दिए गए स्थान पर अपने परिवार की विभिन्न जरूरतों और मांगों को प्राथमिकता के हिसाब से कार्य को पूरा करने की सलाह दें।

मांग	जरुरी	महत्वपूर्ण	काय

बजट बनाना : बजट बनाने से पहले कुछ तथ्यों को जान लेना जरूरी है।

नकदी प्रवाह विवरण : आपकी आय और खर्चों का एक लेखा जोखा।

बजट : आय और खर्च को संतुलित करने की एक योजना या आय और खर्च के लिए एक योजना।

बजट की आवष्यकताएं : आशानुरुप बचत करना

वाहन के लिए ट्रैफिक सिग्नल 'खर्च' के तौर पर पुकारा जाता है।

छोटी या बड़ी अवधि के किसी विषेश उद्देष्य के लिए ईमानदारी से बचत करना

कई सारे क्षेत्रों में खर्च करने के लिए अतिरिक्त रूप से धन देना

बजट सरप्लस (अधिषेश) बजट घाटा अनुमानित आय झ अनुमानित खर्च = बजट सरप्लस (अधिषेश)
अनुमानित आय ढ अनुमानित खर्च = बजट घाटा

संतुष्टि का स्थगन : भविश्य में कुछ बड़ा या कुछ अच्छा करने के साथ ही आप अभी भी कुछ करना चाहते है। उदाहरण के लिए अभी एक वीडियो गेम खरीदना चाहते है, और भविश्य में एक साइकिल

तत्काल संतोश जब आपको किसी चीज की जरूरत होगी तो आप तुरंत खरीद लेंगे। उदाहरण के लिए जब आपको विडियो गेम की जरूरत होगी तो आप तुरंत खरीद लेंगे।

अवसर लागत किसी समय जब आप कुछ लेना चाहते है , और उसी समय आप कुछ और भी ले सकते है, तब इस तरह के समय पर होने वाले खर्च को अवसर लागत कहा जाता है। उदाहरण के लिए आपके पास विडियो गेम और साइकिल खरीदने के विकल्प है। और आप साइकिल खरीदने का विकल्प चुनते है। तब विडियो गेम खरीदने के लिए किया गया खर्च अवसर लागत की श्रेणी में आएगा।

बजट बनाने का ज्ञान बजट बनाने का ज्ञान क्या बच्चों के लिए एक लाभ है? बजट बनाने की कला आर्थिक विकास की राह बनाने में व्यक्ति की मदद करती है। और साथ ही समस्याओं को सुलझाने में भी मदद करती है।

क्रियाविधि (6) :

हिमांषु १५ साल का एक बच्चा है। वह हैदराबाद में रहता है। उसके परिवार में उसके अलावा उसकी मां, उसका पिता और उसकी बहन प्रिया है। हिमांषु को हर महीने उसके अभिभावकों की तरफ से १,५०० रुपये जेब खर्च के लिए मिलते है। इन १,५०० रुपयों के अतिरिक्त वह ६०० रुपये स्कूल बस के लिए भी देता है। वह २०० रुपये योग की क्लास के लिए भी देता है। साथ ही उसे ३०० रुपये कैंटीन के भी देने होते है। इन सब खर्चों के अलावा वह २०० रुपये अपने मोबाइल को रिचार्ज करवाने पर भी खर्च करता है। साथ ही हिमांषु कॉमिक्स का भी बहुत बड़ा फैन है। इस पर भी वह १५० रुपये (४ से ५ कॉमिक्स) खर्च करता है। इन सब खर्चों के अलावा हिमांषु स्टेषनरी और आइसक्रीम पर भी कुछ पैसे खर्च करता है। हिमांषु की बहन प्रिया हिमांषु के हर जन्म दिन पर उसे एक गिफ्ट देती है। लेकिन वह प्रिया के जन्मदिन पर उसे कभी कोई गिफ्ट नहीं देता है। लेकिन इस साल हिमांषु ने प्रिया के जन्मदिन पर उसे एक सरप्राइज गिफ्ट देने की योजना बनाई है। प्रिया का जन्मदिन २ माह बाद आने वाला है। लेकिन अभी तक उसके पास कोई बचत नहीं है। और इस काम के लिए वह अपने अभिभावकों से भी उधार नहीं लेना चाहता है। साथ ही इस काम के लिए वह अपने दोस्तों से भी उधार नहीं ले सकता है। क्योंकि अगर दोस्तों से उधार लेने की बात उसके अभिभावकों को पता लग गई तो वे बहुत नाराज होंगे। । हिमांषु अपनी बहन प्रिया को एक ड्रेस देना चाहता है , जिसकी कीमत ६०० रुपये है। लेकिन इस ड्रेस के खरीदने के लिए पैसा जुटाने का कोई रास्ता उसके पास नहीं है। क्या आप इस उद्देष्य को पाने में हिमांषु की मदद करेंगे?

हिमांषु को अपना लक्ष्य पूरा करने के लिए क्या करना चाहिए?

जरूरतों का विश्लेषणः हिमांशु की मांग

वर्णन	संख्या	जरूरत	इच्छा

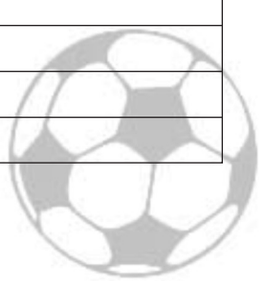

हिमांषु के बजट की पुर्नयोजन और सुधार :

f

नोट :
आयः अनेक स्रोतों से धन अर्जित करना।
खर्चः जरूरतों और इच्छाओं पर धन खर्च करना।
नकदी– प्रवाह विवरण : आय और खर्च का विवरण रखना।

क्रयाविधि (7)

जय १४ वर्श का एक बच्चा है जो अपने परिवार के साथ पुने में रहता है। उसके परिवार में ४ सदस्य है। जिसमें उसके पिता, उसकी मां, उसकी बहन और वह खुद है। एक दिन वह अपनी बहन दिषा के साथ घर में अकेला था। उन दोनों ने एक परिवारिक टूर पर मनाली जाने की योजना बनाई। जब जय ने अपनी यह योजना अपने अभिभावकों को बताई तो उन्होने इसे बहुत पसंद किया। लेकिन अभी इसे पूरा करने में अपनी असमर्थता जताते हुए उसके अभिभावकों ने इस योजना को भविश्य के लिए रख लिया। क्योंकि अभी उन्हे दूसरी जरूरतों को पूरा करना है। जो इसके मुकाबले जरूरी है, और इसी वर्श पूरी होनी है। घरवालों की समस्या समझने के बाद जय ने अपने घर के खर्च में से कुछ बचत करने की योजना बनाई। और उस बचत से टूर पर जाने का विचार किया। उसने घर के खर्च में बचत करने की यह योजना अपने अभिभावकों को बताई। अपने बुद्धिमान बेटे की योजना सुनकर वे बड़े खुष हुए, और इसके लिए उन्होने जय की तारीफ की। उन्होने यात्रा के लिए १५ हजार रुपये खर्च करने का विचार किया। लेकिन खर्च की राषि बचत से हिसाब से तय होगी। टूर पर जाने की योजना अब से छह माह बाद की है। जय ने जब यात्रा के खर्च के बारे जानकारी जुटाई तो उसे पता चला कि इस यात्रा का खर्च ३० रुपये है। जय ने अपने घर का विवरण एक चार्ट पर लिखा। साथ ही उस पर दूसरे विवरण भी लिखे। जो इस प्रकार है।

☐ प्रत्येक रविवार को उसका परिवार बाहर जाता है। बाहर वे थियेटर में फिल्म देखते है। जिस पर प्रति व्यक्ति १५० रुपये का खर्च आता है।

☐ फिल्म देखने के बाद वे बाहर घूमने जाते है। जिस पर प्रति रविवार ३०० रुपये खर्च का खर्च आता है। प्रत्येक रविवार को वे एक रेस्टोरेंट में डिनर भी करते है।

☐ रेस्तरां का खर्च ५५० रुपये आता है।

☐ उसके पापा ऑफिस जाने के लिए कार का प्रयोग करते है। जिसका खर्च १५० रुपये प्रतिदिन होता है। हालांकि उसके पापा बाइक से भी ऑफिस जा सकते है। जिसका खर्च प्रतिदिन ५० रुपये आता है। जय के पापा महीने में २२ दिन ऑफिस जाते है।

जय के परिवार के दूसरे मासिक खर्चों का विवरण नीचे दिया गया है। इसके आधार पर जय की जरूरतों के हिसाब से बचत करने में जय की मदद करें। जिससे बचत भी हो जाए और घर का बजट भी न बिगड़े।

खर्च का क्षेत्र	वर्तमान खर्चः प्रति माह	खर्च में कटौती	अनुमानित बचत	६ माह की कुल बचत
चिकित्सा और आपात खर्च कोश	2500			
बिजली का बिल	1000			
फोन बिल	1800			
मल्टी प्लेक्स में फिल्म और				
पॉपकॉर्न				
लंबी यात्रा खर्च				
ग्रॉसरी (परचून)	5500			
पिता के वाहन का खर्च				
विविध खर्च	800			
कुल				
अनुमानित बचत				
कुल बचत				

कियाविध (8)

आप अपने परिवार का मासिक बजट तैयार करें और यह पता करने की कोशिश करें कि कितना ज्यादा या कम रह रहा है

खर्च के क्षेत्र	वर्तमान खर्च ६ प्रति महीना
कुल लागत	

आय के क्षेत्र	वर्तमान खर्च ६ प्रति महीना
कुल लागत	

आमदनी–खर्च=अधिशेष/ कमी= ----------

निवेष

अपने धन को सुरक्षित रखें और इसे काम में लगाएं

बैंक का एक दृश्य :

अंकुष अपने पिता के साथ एक बार बैंक में गया।

बैंकर : (अंकुष से), बेटा क्या तुम्हारे पास एक गुल्लक है?

अंकुष : हां सर, और यह लगभग पूरा भर चुका है। अब मैं एक दूसरा गुल्लक खरीदने की योजना बना रहा हूं।

बैंकर : तुम अपने पैसों को बैंक में जमा क्यों नहीं कर देते?

अंकुष : मेरे पास १५० रुपये है। लेकिन मैं इन्हे तुम्हारे बैंक में क्यो दूं? क्या तुम मेरा पैसा वापिस करोगे।

बैंकर : अगर मैं कहूं कि हम केवल तुम्हारा पैसा ही तुम्हे वापिस नहीं करेंगे। बल्कि साल के अंत में हम तुम्हे १० रुपये ज्यादा देंगे।

अंकुष : मैं अपने पापा से पूछकर बताउंगा।

अंकुष इस बात को लेकर आष्चर्य चकित हो रहा था कि वह बैंकर उसे १६० रुपये क्यों लौटाएगा? जबकि वह उस बैंकर को १५० रुपये देगा। बैंकर ने अंकुष को १० रुपये अतिरिक्त देने की बात क्यों कही?

निवेष के तीन स्तंभ

घर लौटने के बाद अंकुष ने अपने पिता से पूछा कि बैंकर उसे १० रुपये अतिरिक्त देने की बात क्यों कर रहा था? अंकुष के पिता ने कहा कि इसे निवेष पर मिलने वाला रिटर्न कहा जाता है। तुम्हारे मामले में मिलने वाले इस रिटर्न को ब्याज कहेंगे। निवेष के तीन पहलू होते है जो तुम्हे जरूर जानने चाहिए।

सुरक्षा– अगर तुम किसी को १०० रुपये देते हो, क्या वह तुम्हारे पैसे लौटाएगा? क्या तुम्हारी राषि (१००) रुपये सुरक्षित है?

तरलता– अगर तुम्हे अचानक से पैसों की जरूरत पड़ जाए तो क्या तुम्हारा पैसा तुम्हे वापिस मिल जाएगा?

वृद्धि– तुम्हारे निवेष पर तुम्हे क्या रिटर्न मिलेगा? यह आमदनी के रूप में होगा या प्रोत्साहन के रूप में, या फिर दोनों के रूप में ?

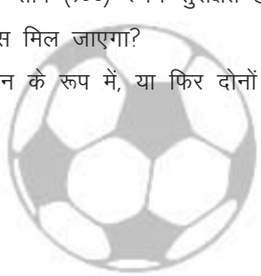

क्रियाविधि (9)

वास्तविक बैंक बनाम गुल्लक इन दोनो की तीन महत्तवपूर्ण विषेशताओं के आधार पर तुलना कीजिए।

	गुल्लक	वास्तविक बैंक
सुरक्षा		
तरलता		
वृद्धि		

नीचे आप निवेष के तीन अलग–अलग रास्तों के बारे में लिखें, जिनके बारे में आप सोचते हैं : आप सोच सकते है।

1. _____
2. _____
3. _____

बैंकिंग:

बैंक क्या है?

बैंक एक ऐसा संस्थान है, जहां पर लोग अपनी बचत को जमा करते है। और उस जमा पर उन्हे एक रिटर्न मिलता है, जिसे ब्याज कहा जाता है। हालांकि लोग इस बैंक से कर्ज भी ले सकते हैं। जिस पर उन्हे एक निष्चित राषि देनी पड़ती है।

इस प्रकार बैंक एक ऐसा संस्थान है, जो लोगों को उधार देने और उनकी बचत को जमा करने के व्यापार में लगा हुआ है। अगर लोग बैंक से कर्ज लेते है तो बैंक उस राशि पर ज्यादा चार्ज लगाता है। लेकिन अगर लोग अपना पैसा बैंक में जमा करते है तो बैंक उस पर कम ब्याज देता है। कर्ज और जमा की दरों के बीच के इस अंतर को षुद्ध ब्याज लाभ (एनआईएम) कहा जाता है।

हर देष में व्यक्तिगत और कंपनियों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में बैंक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

बैंक खातों के प्रकार–

बचत खाता– यह आपके पैसों की बचत और जरूरी खर्चों के लिए पैसे निकालने के लिए उपयुक्त होता है। सामान्य तौर पर इस खाते में एक न्यूनतम राषि रखनी पड़ती है। इस खाते में जमा राषि पर बैंक कम दर पर ब्याज देते हैं।

चालू खाता– यह खाता मुख्य रूप से व्यापारिक लेन देन के लिए होता है। इस खाते में जमा राषि पर बैंक कोई ब्याज नहीं देते है।

सावधि जमा खाता– जैसा की इसके नाम से ही पता चलता है। इस खाते में एक निष्चित अवधि के लिए पैसा जमा किया जाता है। इस खाते से अचानक धन नहीं निकाला जा सकता है। इस खाते में जमा राषि पर बैंक बचत खाते के मुकाबले ज्यादा ब्याज देते हैं।

क्रियाविधि (१०)

1. एटीएम क्या है?
2. चेक क्या है?
3. डिमांड ड्राफ्ट क्या होता है?
4. ई–बैंकिंग क्या है?

निवेष मंत्र

1. पैसे की कीमत

सन्नी:

- ☐ १५ साल की उम्र से १०० रुपये प्रतिवर्श निवेष करना षुरू किया।
- ☐ २५ साल की उम्र में उसने निवेष रोक दिया।
- ☐ उसने इस जमा पूंजी में से एक पैसा भी नहीं निकाला।

बॉबी:

- ☐ २५ साल की उम्र से ४०० रुपये प्रति वर्श का निवेष करना षुरू किया।
- ☐ उसने ३५ साल तक यह निवेष जारी रखा।
- ☐ उसने इस जमा पूंजी में से एक पैसा भी नहीं निकाला।

सन्नी और बॉबी दोनो को उनके निवेष पर १५ फीसदी वार्शिक रिटर्न मिला।
आप क्या समझते है कि ३५ साल की आयु तक दोनों में से किसके पास ज्यादा धन होगा ?

_____

उपरोक्त बातों से आप क्या समझ में आया?

_____

_____

(२) दुनिया के आठ आष्चर्य क्या है?

एक समय किसी राज्य में एक बहुत धनी राजा रहता था। वह अपनी बुद्धिमानी और नए विचारों को सच्चा संरक्षक था। एक दिन एक आदमी राजा के पास एक नए किस्म का गेम बोर्ड लेकर आया। गेम बोर्ड को उसने खुद ही तैयार किया था। और उस आदमी ने उस गेम बोर्ड का नाम षतरंज रखा था। राजा ने उस आदमी के साथ शतरंज खेलना प्रारंभ किया। खेल के दौरान राजा उस आदमी से बहुत प्रभावित हुआ। और राजा ने उस आदमी से अपने लिए कुछ ईनाम मांगने को कहा। उस आदमी ने षतरंज के पहले खाने में एक अषरफी (सोने का सिक्का) , दो अषरफी दूसरे खाने में, चार अषरफी तीसरे खाने में, 8 अषरफी चौथे खाने में। और इसी तरह उसने उस खेल के सभी ६४ खानों के लिए अषरफी देने की बात कही। राजा ने इसे बहुत साधारण ईनाम सोचा। लेकिन ६४ वें खाने तक उस आदमी की अषरफियों की संख्या 18446, 744,073, 709, 551, 615 हो गई। राजा आदमी को उसकी इच्छा पूरी करने का वचन दे चुका था। लेकिन भारी खजाने के बावजूद राजा उस आदमी को उसका पूरा ईनाम नहीं दे पाया।

Power of Compounding!!!

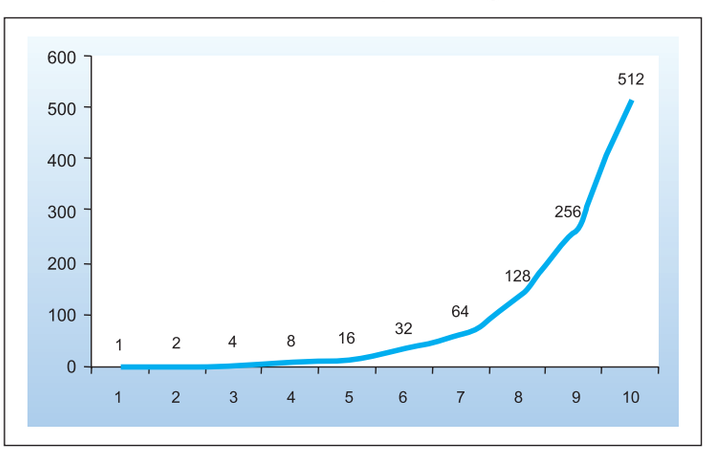

इस कहानी में अन्तनिर्हित बातें ह यौगिक की ताकत

तुमने इस कहानी से तुमने क्या समझा?

3. कितने वर्ष पर्याप्त होंगे! कितनी दर पर्याप्त होगी?

निम्नलिखित तालिका में 500 रुपये के निवेश पर अलग–अलग अवधि पर अलग–अलग ब्याज दर दर्शाया गया है :

वर्ष	5%	10%	15%	20%
1	525	550	575	600
5	638	805	1006	1244
10	814	1297	2023	3096
15	1039	2089	4069	7704
25	1693	5417	16459	47698

क्या आप उपरोक्त तालिका की व्याख्या कर सकते हैं?

4. कभी नहीं छोड़ना!

हर्शा और वर्शा दो जुडवां बहने है। जब वें २५ साल की थी, तो उन दोनों ने ३००० रुपये प्रतिवर्श के हिसाब से निवेष करना षुरू किया। हर्शा ने यह निवेष केवल ३० साल की उम्र तक किया। लेकिन वर्शा ने इस निवेष को लगातार जारी रखा। कुछ साल हर्शा ने बीते सालों की क्षतिपूर्ति करने का विचार किया। और जब वह ३५ साल की हुई तो उसने और २० हजार रुपये का निवेष किया। उसके बाद जब वह ४२ साल की हुई तो उसने २५ हजार रुपये का निवेष किया। ४५ वर्श की आयु तक दोनों में से प्रत्येक का निवेष ६३ हजार रुपये हो गया। १५ फीसदी वृद्धिदर के हिसाब से हर्शा को ४ लाख रुपये मिले, जबकि वर्शा को ३.८ लाख रुपये मिले।

वर्शा को नुकसान क्यों हुआ?

5. ७२ अंक का जादू

72 अंक का जादू!

स्टेट बैंक ने डिपॉजिट पर 8 फीसदी ब्याज दर देने की घोशणा की। श्रीमान् पाटिल यह जानना चाहते है कि किसी समय में उनका पैसा दोगुना हो जाएगा। क्या इस बात का पता लगाने में आप श्रीमान् पाटिल की सहायता कर सकते हैं?

इसका सीधा सा हल है। दिए गए रेट से 72 में भाग दें तब समय का पता चल जाएगा। जैसे 72/8 = 9 साल किसी ब्याज दर पर पैसा कितने समय में दुगुना हो जाएगा, यह जानने के लिए यही विधि सबसे आसान है।

72 का नियम

ब्याज की दर	आपके पैसों के दोगुना होन के लिए जरूरी वक्त	निवेश के साल	पैसों के दोगुने होने के लिए ब्याज दरें
10		6	
8		9	
12		10	

(६) स्केटिंग अवे

लीना की उम्र १५ साल है। उसने अभी अपनी कक्षा 9 की अपनी परीक्षा पास की है। पिछले दो सालों से वह लगातार स्केटिंग क्लास जाती रही है। और उसके ग्रुप में उसे एक अच्छी स्केटर चुना गया है। एक दिन लीना ने अपने टीचर से इनलाइन स्केटिंग के बारे में सुना। इनलाइन स्केटिंग बहुत तेजी से लोकप्रियता पा रहा है। उसे पता चला कि तीन साल पहले जैसा कंपीटिषन उसके स्कूल में हुआ था, भविश्य में भी ऐसा ही कंपीटिषन आयोजित किया जाएगा। उसने एक स्केटिंग खरीदने की योजना बनाई। लीना अपने षहर के सबसे अच्छे स्केटिंग स्टोर में गई। वहां जाकर उसने एक उपकरण देखा , जिसकी कीमत 40 हजार रुपये थी।

लीना दुखी मन से अपने टीचर के पास आई, और उसे सारी बात बताई। उसके टीचर खुद एक जवान और अच्छे स्केटर है। उन्होने ध्यान से लीना की बातों को सुना।

टीचर– इसमें समस्या कहां है?

लीना– सर आप मेरे साथ मजाक कर रहे हैं? मैं उसके खर्च को कैसे वहन कर सकती हूं?

टीचर– लीना तुम अपनी उम्र के बच्चों में सबसे अच्छा खेलती हो। लेकिन मैं तुम्हे एक सलाह दूंगा कि तुम 4–5 सालों तक साधारण स्केटस के साथ अभ्यास कर सकती हो। लेकिन बेहतर रहेगा अगर तुम इनलाइन स्केट्स के साथ अभ्यास करो।

लीना– सर मैं जानती हूं, लेकिन मुझे अभी इसकी जरूरत नहीं है। मैं इनलाइन स्केट्स की जरूरत अगले 5 सालों में लेना चाहूंगी ताकि प्रतियोगिता में भाग ले सकूं। लेकिन इसकी कीमत बहुत ज्यादा है। अगले 7–8 साल के बाद भी मैं इसे नहीं खरीद पाने में सक्षम हो सकूंगी। क्योंकि इसके साथ ही मुझे पढ़ाई भी करनी है। मैं इतना पैसा नहीं जुटा पाउंगी। फिलहाल में 400 रुपये प्रति महीना के हिसाब से ही पैसों की बचत कर सकती हूं। लेकिन यह राषि बहुत कम है। और इससे मुझे स्केट्स नहीं मिल सकते।

टीचर लीना की बात को सुनकर मुस्कुराएं और बोले–लीना ये मत समझों की मैं तुम्हारी परिस्थिति का मजाक उड़ा रहा हूं। ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। वास्तव में मेरे सामने भी ऐसी ही स्थिति 10 साल पहले आई थी। जब मैं 14 साल का था तब ही मैंने स्केट्स लेने का निर्णय लिया था।

लीना ने कुछ उत्साहित होते हुए कहा– सच में सर आप इसमें सफल हुए थे। आपने इसके लिए जरूर ज्यादा पैसे बचाने के लिए खुद को तैयार किया होगा।

टीचर– तुम जो वह स्केट्स देख रही हो, वह मैनें जब खरीदा था तब मैं 21 साल का था।

लीना– सर आपने कैसे यह सब प्रबंध किया। यह सच में आष्चर्य की बात है।

टीचर– केवल नियमित बचत और निवेष के द्वारा ही मैनें यह सब संभव किया। और इसके लिए मुझे ज्यादा कुर्बानी भी नहीं देनी पड़ी। मैने नियमित तौर पर एक छोटी राषि की बचत की और उसका निवेष किया। और ऐसा तब तक करता रहा जब तक कि मैं अपनी इच्छित वस्तु को पा नहीं गया। मैने 150 रुपये प्रति महीने की बचत करनी षुरू की थी, वह भी हाईस्कूल के अंतिम दो साल से। तब मैं ज्यादा से ज्यादा बचत करता गया, जितना कि संभव हो सकता था। और मैने एक छोटी रकम इकट्ठा कर ली।

लीना– क्या आप सोचते हैं कि मैं खुद की बचत करके अपने स्केट्स खरीद सकती हूं। और इसके लिए मुझे अपने पापा से कोई सहायता नहीं लेनी पड़ेगी।

टीचर– हां तुम बिल्कुल अपने स्केट्स खरीद सकती हो। एक पेन और पेपर लाओ और अपनी योजना बनाओ।

राशि प्रति महीना	निवेश की अवधि	मूलधन	संभावित ब्याज दर % में	कुल राशि
रु.200	8 साल	19,200	10%	
रु.300	6 साल	21,600	9%	
रु.400	5 साल	24,000	8%	
Total				

7. महंगाई की दीमक–सावधान!

क्या आपको याद है कि आपने पिछली बार अपना स्कूल बैग किस कीमत पर खरीदा था? क्या तुम आज इसे उसी कीमत पर खरीद सकते हो? संभवतया आपका उत्तर नहीं होगा। इसका मतलब है कि उस चीज के दाम बढ़ रहे है। दाम बढ़ने की इस घटना को महंगाई कहा जाता है।

हम मान लेते हैं कि पिछले साल आपके स्कूल बैग की कीमत 200 रुपये थी। जो इस साल बढक़र 210 रुपये हो गई है। इस प्रकार यहां महंगाई दर 5 फीसदी रही। (त्र10/200 '100= 5)। अगर एक स्कूल बैग खरीदने के लिए आपने पिछले साल के हिसाब से २०० रुपये की बचत की तो इस साल आपके पास १० रुपये की कमी हो जाएगी। इससे यह साफ होता है कि अपनी बचत को निवेष करे। और निवेष पर मिलने वाले रिटर्न की दर महंगाई दर से ज्यादा होनी चाहिए।

उदाहरण के लिए आपने 100 रुपये का निवेष किया, जिसकी दर 10 फीसदी है। और महंगाई दर 5 फीसदी है। इस प्रकार तुम्हारा रिटर्न 5 फीसदी ही रह जाएगा। (10 :– 5 : = 5 :) , इस तरह तुम्हारे रिटर्न की सांकेतिक दर तो 10 फीसदी है, लेकिन रिटर्न की वास्तविक दर 5 फीसदी ही है।

क्रियाविधि (११)

तुम्हारे परिवार की गतिविधियों के लिए स्मार्ट गाइड

- ☐ आय के श्रोतों की पहचान करे।
- ☐ इसमें से अधिकोश (सरप्लस) या घाटे को पहचाने
- ☐ नगदी प्रवाह का विवरण बनाएं और बजट योजना बनाएं
- ☐ उस बचत की गणना करे जो रिटर्न के लिए निवेष की जा सके।
- ☐ निवेष के लाभ दिखाएं

निवेष के लिए सही विकल्प का चुनाव करें

निवेष के लिए सही विकल्प का चुनाव व्यक्तिगत परिस्थितियों पर निर्भर करता है इसी तरह यह बाजार की परिस्थितियों पर भी निर्भर करता है। एक लक्ष्य को लेकर किया गया निवेष किसी दूसरी जरूरत के लिए सही नहीं भी हो सकता है। सही निवेष तीन चीजों से संतुलित होता है– तरलता, सुरक्षा और रिटर्न ।

तरलता– तरलता का मतलब है कि जरूरत के समय आपको आपका निवेष कैष के रूप में मिल जाए। कुछ निवेष में एक निष्चित समय या कुछ इसी तरह की षर्ते होती है।

सुरक्षा– यह निवेष के खतरे संबधी तथ्यों के बारे में है। निवेष की सुरक्षा के बारे में सबसे खराब बात यह है कि आपका सारा पैसा ही बर्बाद चला जाए। एक खतरा यह भी होता है कि आपकी कम आय हो, या वृद्धि दर कम हो। महंगाई भी एक जोखिम है, जो रूपये की खरीद क्षमता को घटाती है।

रिटर्न– निवेष से मिलने वाला रिटर्न भी एक विचारणीय बात है। सुरक्षित निवेष कम रिटर्न देता है। लेकिन असुरक्षित निवेष ज्यादा रिटर्न देता है। साथ ही कभी–कभी सारा का सारा निवेष डूब भी जाता है। अभी निवेष के बहुत सारे कम अवधि के और दीर्घ अवधि के निवेष विकल्प मौजूद है। जिनके बारे में आपको आगे बताया जाएगा।

इस प्रकार यहां चुनने के लिए कई सारी आष्चर्यजनक योजनाएं है। आगे हम इन योजनाओं को

केंद्र में रखकर इनके बारे में चर्चा करेंगे।

संपत्ति वितरण रणनीति

हर वर्ग की संपत्ति के अपने जोखिम और रिटर्न होते हैं। शेयर में किए गए निवेश के अपने जोखिम होते हैं और संभव है कि बाजार में गिरावट के साथ निवेश की गई पूंजी में कमी ही आती है। जरूरी नहीं कि वह आपकी इच्छाओं पर खरा ही उतरे। हां सरकार द्वारा जारी किए गए बांड्स में निवेष करने का कोई खतरा नहीं होता है। उनमें किसी भी तरह की धोखाधड़ी की कोई गुंजाइष नहीं होती है। और एक निष्चित दर पर रिटर्न मिलता है।

संपत्ति वितरण तीन में तीन मुख्य बाधाएं होती है–

- ☐ आपकी समय स्थिति
- ☐ जोखिम को सहने की आपकी सहनषक्ति
- ☐ आपकी व्यक्तिगत स्थितियां

आपके जीवन के लक्ष्य बहुत सारे हो सकते है, जो आपकी उम्र, जीवन षैली और पारिवारिक प्रतिबद्धताओं पर निर्भर करते हैं। हालांकि आपको कई संपत्तियों से फंड मिल सकता है। यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने कोश को विभिन्न मदों में कैसे वितरित करते है। इससे आपका लाभ निर्धारित होता है।

सामान्य तौर पर संपत्ति निवेष के मामले में आयु एक महत्वपूर्ण तथ्य होता है। शेयर में निवेष निवेषक की आयु पर भी निर्भर करता है। कुल मिलाकर निवेषक ही निवेशक के बारे में सही निर्णय ले सकता है कि उसके लिए क्या बेहतर हो सकता है?

बचत और निवेष संबधी उत्पाद

बैंक

निवेष के लिए बैंक एक सुरक्षित स्थान होता है। डिपॉजिट इंष्योरेंस और क्रेडिट गारंटी योजना में सभी बैंकों की अधिकतम सीमा एक लाख रुपये तक निर्धारित होती है। भारत के सारे बैंक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा बनाए गए नियमों से नियंत्रित होते है। बैंक, डिपॉजिट करने के कई तरीके उपलब्ध कराता है जो ग्राहक की जरूरत पर निर्भर करते है। बैंकों में किए गए डिपॉजिट ज्यादा सुरक्षित होते हैं साथ ही जरूरत पडने पर इन पैसों को अपनी जरूरत की मुताबिक वापस भी लिया जा सकता है। साथ ही इस पर रिटर्न तो मिलता ही है। सावधि जमा को छोडकर दूसरे डिपॉजिट पर बैंक से जमा राषि के 75–80 फीसदी तक कर्ज के तौर पर लिया जा सकता है।

डिपॉजिट के प्रकार और उनकी मुख्य विषेशताएं

बचत बैंक खाता

- ☐ यह लोगों द्वारा प्रयोग किया जाने वाला प्रथम बैंकिंग उत्पाद है। जिसे लोग सामान्यतया प्रयोग करते है।
- ☐ कम ब्याज लेकिन ज्यादा आर्दता
- ☐ ग्राहक की बचाने की आदत के अनुसार

बैंक की सावधि जमा

- ☐ बैंक निष्चित अवधि के लिए धन जमा कराते है(३० दिन से कम नहीं)। इस पर एक निष्चित ब्याज मिलता है।
- ☐ बैंक में सावधि जमा करने का आदर्ष समय ६ से १२ माह होता है। छह माह से कम के निवेष पर बैंक कम ब्याजदर देते है।
- ☐ समय से पहले जरूरत पडने पर निष्चित पैनाल्टी देकर धन लिया जा सकता है।

आवृर्ती जमा खाता

- ☐ पूर्व निर्धारित अवधि के लिए हर माह एक निर्धारित राषि जमा करनी पड़ती है।
- ☐ बचत खाते के मुकाबले ज्यादा ब्याज दर
- ☐ हर माह एक निष्चित राषि बचाने में आपकी मदद करता है।

विषेश बैंक अवधि डिपॉजिट योजना

- ☐ यह एक ऐसी योजना है जो टैक्स बचाने के लिए बैंकों द्वारा चलाई जाती है।
- ☐ आयकर की धारा 80 सी के तहत छूट प्राप्त है।
- ☐ बैंकों की ओर से इसमें निवेश के लिए परिवक्ता की अवधि पांच साल जरूरी होता है।

सरकारी योजनाएं

टैक्स बचत योजना

भारत सरकार ने कई टैक्स बचत योजनाएं चलाई है जिनमें–

- ☐ राश्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र (एनएससी)
- ☐ सार्वजनिक बचत कोश (पीपीएफ)
- ☐ पोस्ट ऑफिस योजना (पीओएस)

इसके अलावे बैंक या वित्तीय संस्थान, इक्विटी लिंक्ड बचत योजना (ईएलएसएस) और इंफ्रास्ट्रक्चर बांड भी ऑफर किए जाते हैं। साथ ही बैंक टैक्स बचत की भी योजनाएं लेकर आता है।

इन योजनाओं में किया गए निवेष पर आयकर की छूट मिलती है। साथ ही निवेष की गई राषि टैक्स के लिए निर्धारित राषि में से कम भी कर दी जाती है।

राश्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र

- ☐ आयकर बचाने की लोकप्रिय योजनाएं सालभर उपलब्ध होती हैं।
- ☐ 8 फीसदी की ब्याज दर
- ☐ न्यूनतम निवेष 100 रुपये और अधिकतम की कोई सीमा नहीं
- ☐ परिपक्वता अवधि 6 साल
- ☐ यह योजना पर हस्तांतरणीय होती हैं और निवेश की गई राशि पर कर्ज लेने की व्यवस्था भी होती है।

सार्वजनिक बचत कोश (पीपीएफ)

- ☐ 8 फीसदी ब्याज दर
- ☐ न्यूनतम बचत राषि 500 रुपये और अधिकतम 70 हजार रुपये
- ☐ पूर्ण होने की अवधि 15 वर्श
- ☐ खाता खोलने की तारीख से तीसरे वित्तीय वर्श में कर्ज लिया जा सकता है। या पहले वित्तीय वर्श की समाप्ति पर 25 फीसदी राषि ली जा सकती है। कर्ज को अधिकतम 36 किस्तों में चुकाया जा सकता है।
- ☐ हर वर्श राषि निकाली जा सकती है (जमा राशि की 50 फीसदी से ज्यादा नहीं) ,लेकिन अकाउंट खुलने के साल साल के बाद ही संभव हो सकती है।

डाकघर योजना (पीओएस)

- ☐ कर बचाने की यह एक बेहतरीन योजना है।
- ☐ यह योजना सालों भर उपलब्ध होती है।
- ☐ डाकघर योजना निवेष और उसकी अवधि पर निर्भर करती है। जिसे निम्नलिखित श्रेणियों में बांटा जा सकता है–
- ☐ मासिक जमा
- ☐ बचत जमा
- ☐ समयावधि जमा
- ☐ आवृत्ति जमा

षेयर आधारित बचत योजना (ईएलएसएस)

- व डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड की प्रतिकृति होती है। जो आयकर की धारा 80सी के अंतर्गत छूट का प्रावधान है।
- व लॉक इन की समय सीमा तीन साल की होती है।
- व लाभांष भी कर मुक्त होता है।
- व इन यूनिटों की बिक्री पर लंबी अवधि का पूंजी लाभ लिया जा सकता है। जिस पर कोई पूंजी प्राप्ति कर नहीं देना होता।
- व न्यूनतम निवेष राषि ५०० रुपये होती है, इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है।
- व निवेषक, सिस्टेमेटिक इंवेस्टमेंट प्लान (क्रमबद्ध निवेष योजना) का चुनाव भी कर सकता है।

इंफ्रास्ट्रक्चर बॉड्स

- ☐ तीन साल की न्यूनतम अवधि होती है।
- ☐ 20 हजार रुपये तक के निवेष को धारा 88 के अंतर्गत पर कर नहीं लगता है।
- ☐ अवधि से पहले धन निकालने पर कर छूट का प्रावधान रद्द हो जाता है।

किसान विकास पत्र

- ☐ इस योजना में निवेष किया गया धन 8 साल 7 माह में दोगुना हो जाता है।
- ☐ इसमें निवेष की न्यूनतम राषि 100 रुपये है, और इसमें कोई अधिकतम सीमा नहीं है।
- ☐ यह योजना सालों भर उपलब्ध होती हैं।
- ☐ वर्तमान में इस योजना पर कोई कर छूट नहीं मिलती है।

(निवेषकों को सलाह दी जाती है कि वे निवेष करने से पहले आयकर के नए नियमों और दूसरे जरूरी श्रोतों से जानकारी प्राप्त कर लें)

बांड

बांड अपने आप में एक कर्ज होता है जो खरीददार बेचने वाले को देता है। इस पर ब्याज मिलता है। बांड को कंपनियां, वित्तीय संस्थान और यहां तक सरकार भी जारी करती हैं। इन पर खरीददार बेचने वाले से एक ब्याज प्राप्त करता है। साथ ही एक निष्चित परिपक्वता अवधि में यह वापिस हो जाते है।

बांड के प्रकार

कर बचत बांड–

कर बचत बांड एक निष्चित निवेष पर कर की बचत करते हैं। यह सरकार के निर्देषों पर निर्भर करता है। उदाहरण के तौर पर –

- ☐ इंफ्रास्ट्रक्चर बांड में आयकर अधिनियम 1961 की धारा 88 के अंतर्गत छूट प्राप्त होते हैं।
- ☐ नाबार्ड, एनएचएआई, आरईसी बांड्स में आयकर अधिनियम 1961 की धारा 54 ईसी के अंतर्गत छूट प्राप्त होते है।

व आरबीआई द्वारा जारी कर राहत बांड।

नियमित आय वाले बांड

नियमित आय बांड एक नियमित आय के श्रोत होते हैं, जो पूर्व निर्धारित होते हैं जैसे–

- ☐ आपके धन को दुगुना करने के बांड
- ☐ स्टेप–अप (चरणबद्ध) ब्याज बांड
- ☐ रिटायरमेंट बांड
- ☐ इनकैष (भुनने योग्य) बांड
- ☐ षिक्षा बांड
- ☐ ज्यादा छूट बांड

प्रमुख विषेशताएं

- ☐ बांड की विश्वसनीयता की जांच करने वाली एजेंसियां क्रिसिल, आईसीआरए, केयर और फिच जैसी एजेंसियां से बांड की विश्वसनीयता की जांच करा ले।
- ☐ नियमित आय के लिए अच्छे हैं। सह वार्शिक आधार पर ब्याज मिलता है। तिमाही और मासिक आधार बांड पर निर्भर करते है।
- ☐ बांड प्राथमिक और द्वितीयक दोनों तरह के बाजारों में उपलब्ध है।
- ☐ इनका बाजार भाव इनके पूरे होने की समयावधि पर निर्भर करता है। साथ ही ब्याज दर और एजेंसियों द्वारा की गई रेटिंग से भी बांड की वैल्यू तय होती है।
- ☐ न्यूनतम निवेष राषि 5–10 हजार के बीच होती है।
- ☐ सामान्यतः इनकी अवधि 5–7 साल के बीच होती है।
- ☐ डीमैट खाते से भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

डिबेंचर

डिबेंचर की विषेशताए

पूरा होने की अलग–अलग समय अवधियों के साथ निष्चित ब्याज मिलता है। ये बांड के जैसे ही होते है लेकिन कंपनियों द्वारा जारी किए जाते हैं।

निजी तौर पर या सब्सक्रिप्शन के द्वारा दिए जा सकते है।

स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हो भी सकते हैं और नहीं भी हो सकते हैं। अगर एक्सचेंज में सूचीबद्ध होते भी हैं तब सेबी द्वारा बनाई गई किसी एजेंसी द्वारा ही होते है।

पूरे होने की सामान्य अवधि ३–१० वर्श होती है।

डिबेंचर के प्रकार–

- ☐ बाजार में अनेक तरह के डिबेंचर मौजूद है, जो इस प्रकार है–
- ☐ अपरिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी), जारी करने वाला पूरी राशि विमोचित कर सकता है।
- ☐ आंषिक परिवर्तनीय (पीसीडी), कुछ राशि विमोचित हो जाता है और कुछ हिस्से षेयरों में डाले जा सकते हैं या नहीं भी डाले जा सकते हैं। निवेषकों के पास विकल्प नहीं होता।
- ☐ पूर्ण परिवर्तनीय डिबेंचर (एफसीडी), सारी राषि षेयर में बदल जाती है। इसकी परिवर्तनीय कीमत उस समय से षुरू होते है जबसे इंस्ट्रूमेंट को जारी किया गया है।

कंपनियों की सावधि जमा

मुख्य विषेशताएं–

- ☐ सावधि जमा कंपनी द्वारा ऑफर की जाती है। यह बैंकों की तरह होती है।
- ☐ कंपनियां इसे छोटे निवेषकों से उधार लेने के लिए इस्तेमाल करती हैं।
- ☐ निवेष की समयावधि का चयन ध्यानपूर्वक एफडी की तरह तय होती है, पूर्ण होने तक धन मिलता है।
- ☐ यह बैंक खातों की तरह सुरक्षित नहीं होती है। कंपनियों का डिपॉजिट असुरक्षित होता है।
- ☐ बैंकों के सावधि जमा योजना से ज्यादा रिटर्न का वादा होता है। इसलिए इसमें ज्यादा जोखिम भरा होता है।
- ☐ सुरक्षा के हिसाब से रेटिंग हो सकती है।

म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड बहुत से निवेषकों का एक इकट्ठा लाभ कोश (पूल) होता है। जिसे अनेक जगह निवेष किया जाता है। जैसे–शेयर मार्केट, बांड्स, कम अवधि की निवेष योजनाएं, और दूसरे तरह की कई योजनाओं में निवेष होता है। इस इकट्ठे कोश को इसके पोर्टफोलियों के द्वारा जाना जाता है। प्रत्येक यूनिट का प्रतिनिधित्व इसके निवेष के स्वामित्व के अनुपात के हिसाब से होता है। निवेष अनुपात के हिसाब से इसकी आय बांटी जाती है।

म्यूचुअल फंड की मुख्य विषेशताएं

- ☐ पेषेवर प्रबंध–धन फंड मेनेजर के माध्यम से निवेष करना।
- ☐ विविधीकरण– विविधीकरण अपने आप में निवेष करने की एक रणनीति होती है। जो इस कहावत से प्रभावित है कि एक टोकरी में सारे अंडे नहीं रखने चाहिए। लेकिन म्यूचुअल फंड के माध्यम से षेयर या बांड आदि खरीदना व्यक्तिगत खरीद के मुकाबले बेहतर है।
- ☐ अर्थव्यवस्था का पैमाना –चूंकि म्यूचुअल फंड के द्वारा एक समय में बड़ी मात्रा में षेयर या बांड की खरीददारी होती है इसलिए इसमें व्यक्तिगत खरीद के मुकाबले ट्रांजैक्षन लागत कम आती है।
- ☐ तरलता– व्यक्तिगत षेयर की तरह म्यूचुअल फंड को भी बाजार में बेचा जा सकता है।
- ☐ सहजता– एक म्यूचुअल फंड यूनिट खरीदना बहुत साधारण है। बहुत से बैंक म्यूचुअल फंड खरीदने का प्लेटफार्म उपलब्ध करवाते हैं। और इसमें निवेष बहुत कम भी किया जा सकता है।
- ☐ निवेषक को म्यूचुअल फंड में निवेष करने से पहले सारी बातों की बारीकी से जांच पड़ताल कर लेनी चाहिए।

म्यूचुअल फंड के प्रकार–

प्रत्येक म्यूचुअल फंड पूर्व निर्धारित और कोश संपत्ति के अनुसार उपयुक्त निवेष की संभावनाएं मुहैया कराता है। जो निवेष के क्षेत्र और निवेष रणनीति पर निर्भर होती है। मोटे तौर पर म्यूचुअल फंड के तीन प्रकार होते है–

व इक्विटी फंड्स (षेयर)

व निष्चित आय फंड्स (बांड)

व मनी मार्केट फंड

सभी तरह के म्यूचुअल फंड को तीन तरह से बांट सकते है। उदाहरण के तौर पर अगर धन को तेजी से बढ़ रही कंपनियों में निवेष किया जाता है तो उसे ग्रोथ फंड के नाम से जाना जाता है। अगर उसे केवल कंपनी में निवेष किया जाता है तो उसे स्पेषियलिटी फंड के नाम से जाना जाता है।

म्यूचुअल फंड को ओपन इंडेड और क्लोज्ड इंडेड के आधार पर विभाजित किया जा सकता है। यह फंड की अवधि पर निर्भर करता है।

ओपन इंडेड फंड

☐ इस तरह के फंड की कोई परिपक्वता अवधि नहीं होती।

☐ निवेषक ओपन इंडेड फंड की इकाई को एसेट मैनेजमैंट कंपनी के जरिये खरीद या बेच सकते हैं। इसे म्यूचुअल फंड ऑफिस, , निवेषक सेवा केंद्र (आईएससीज) या स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से बेचा या खरीदा जा सकता है।

☐ इस तरह के फंड का पुनबिक्री मूल्य और ट्रांक्जेक्षन चार्ज उसकी षुद्ध संपत्ति कीमत (एनएवी) के आधार पर तय होता है।

क्लोज्ड इंडेड फंड

☐ इस तरह के फंड एक विषेश अवधि के लिए होते है।

☐ एक निष्चित तारीख पर इन्हे बेचने वाला खरीद लेता है और यह योजना बंद कर दी जाती है।

☐ तरलता प्रदान करने के उद्देष्य से यूनिट को सूचीबद्ध किया जा सकता है।

☐ निवेषक स्टॉक मार्केट के मूल्य पर यूनिट को खरीद या बेच सकते हैं।

मनी मार्केट फंड

☐ इनमें कम अवधि के लिए निष्चित आय के लिए निवेष किया जाता है।

☐ रिटर्न ज्यादा नहीं भी हो सकता है, लेकिन सिद्धांतः ये सुरक्षित होते है।

☐ बचत खाते के मुकाबले ज्यादा रिटर्न मिलता है। लेकिन सावधि जमा खाते के मुकाबले कम रिटर्न मिलता है। तरलता भी कम रहती है।

बांड/इन्कम फंड

☐ इसका उद्देश्य नियमित तौर पर वर्तमान आमदनी उपलब्ध कराना होता है

☐ मुख्यतया निवेश सरकार या कॉरपोरेट कर्ज (डेट) में करना होता है

☐ हालांकि इसे रखने पर इसकी कीमत में इजाफा होता है लेकिन इसका प्राथमिक उद्देश्य निवेषकों को नियमित नकदी मुहैया कराना है।

संतुलित कोश (बैलेंस्ड फंड)

☐ यह सुरक्षा, आय और पूंजी बढ़ाने का मिलाजुला विकल्प उपलब्ध कराता है।

☐ यह षेयर बाजार और निश्चित आमदनी की रणनीति मुहैया कराता है।

विदेषी/अंतरराश्ट्रीय फंड

☐ अंतरराश्ट्रीय कोश (विदेषी फंड) एक ऐसी कंपनी के षेयर में निवेष करता है जो देष से बाहर स्थित होती है।

सेक्टर फंड

व ये फंड अर्थव्यस्था के किसी विषेश क्षेत्र को केंद्र बिंदु में रख कर निवेष करते हैं। जैसे– वित्तीय, तकनीक और स्वास्थ्य आदि।

इंडेक्स फंड

☐ इस तरह के म्यूचुअल फंड विस्तृत बाजार जैसे होते है, जैसे–सेंसेक्स और निफ्टी

☐ इस तरह के फंड निवेषक को कम फीस में लाभ या रिटर्न देते है।

इक्विटी शेयर

☐ किसी कंपनी में सामान्य हिस्सेदारी या मालिकाना हक

☐ शेयर बाजार एक ऐसा सार्वजनिक बाजार है जिसमें एक तय कीमत पर कंपनियों की हिस्सेदारियों की खरीद बिक्री होती है। ये कंपनियां स्टाक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होती है।

☐ ये षेयर स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होते हैं। साथ ही द्वितीयक बाजार में बेचने या खरीदने की सुविधा प्रदान करते हैं। भारत का प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज मुंबई में है, जिसे बीएसई के नाम से जाना जाता है। साथ ही नेषनल स्टॉक एक्सचेंज भी भारत का प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज है, जिसे एनएसई के नाम से जाना जाता है। ये एक्सचेंज बेचने और खरीदने वाले के बीच षेयर की सुविधा प्रदान करते हैं। षेयर में निवेष करना दूसरे निवेषों के मुकाबले ज्यादा जोखिम भरा होता है। जो कई मायनों में निवेष के दूसरे तरीकों से अलग होता है।

षेयर में निवेष करने के दो रास्ते

☐ प्राथमिक बाजार के जरिये से (सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध षेयरों के लिए आवेदन करके)

☐ द्वितीयक बाजार के जरिये से (स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध षेयरों को खरीद कर)

सबसे पहले बाजार को समझे। किसी कंपनी को चुनने से पहले यह बहुत जरूरी है कि उसके षेयर का सही मूल्य की जानकारी हासिल करें। इसके लिए थोड़ी छानबीन की जरूरत होती है। कुछ अलग–अलग कंपनियों के शेयरों पर निगरानी रख कर निष्चित ही अच्छा रिटर्न पाया जा सकता है।

पोंजी योजनाएं

इस तरह की योजनाएं छल पूर्ण होती हैं, जो निवेषक को ज्यादा रिटर्न देने का वादा करती है। इस तरह की योजनाएं पुराने निवेषकों द्वारा चलाई जाती है। जो वे या तो खुद के पैसों से चलाते है या बाद के निवेषकों के पैसों से। उसके बाद सही लाभ या रिटर्न मिलता है। इस स्कीम को जारी रखने के लिए निवेषक को लगातार निवेष किए गए पैसों की मात्रा बढ़ानी पड़ती है।

इस तरह की योजनाएं धराषायी भी हो जाती हैं। अगर निवेषक पूरे पैसे नहीं दे पाता तब सामान्यतया इस तरह की योजनाओं के धराषायी होने से पहले ही सरकार की एजेंसिया इसमें हस्तक्षेप कर देती हैं। क्योंकि इस तरह की योजनाओं में प्रमोटर बिना रजिस्टर्ड की हुई सिक्योरिटीज बेचता है। अगर इस तरह की योजना में ज्यादा निवेषक जुड़े होते हैं तब सरकारी एजेंसियों को ज्यादा सतर्कता की जरूरत होती है।

किस तरह पहचाने?

पोंजी स्कीम में नए निवेषकों को लालच देकर फंसाया जाता है, लेकिन उन्हे किसी तरह की कोई गारंटी नहीं दी जाती है। इन योजनाओं में छोटी अवधि के निवेष पर असामान्य रूप से भारी रिटर्न देने का वायदा किया जाता है। कम षब्दों में कहे तो यह देखने में आकर्शक लगती है।

अंततः पोंजी योजनाएं अप्रसांगिक होती है –

व इस तरह की योजनाओं में जैसे–जैसे निवेषक बढ़ते गए ये योजनाएं सरकारी अधिकारियों की निगाह में आने लगी, और इन पर निगाह रखी जाने लगी।

व प्रमोटर निवेषकों के पैसे लेकर भाग गए।

व निवेष की रफ्तार कम होने के चलते किए गए वायदे अनुसार रिटर्न न मिलना।

व बाहरी बाजारी षक्तियों के दबाव में निवेषक अपने पैसे निकालने लगे। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि बाजार में निवेषकों का भरोसा खत्म हो गया, बल्कि बाजार में इन्हे लेकर कुछ अविश्वास आने लगा था।

डिपॉजिटरी सिस्टम

षेयर में निवेष करने के मामले में षेयर के डिमैटरीलाइजेषन के बारे में जानना बहुत जरूरी है। वर्तमान समय में लगभग सारे षेयर डिमैट रूप में होते है। पहले षेयरों का एक भौतिक प्रमाण पत्र होता था। अब उन्हे इलेक्ट्रॉनिक रूप में कर दिया गया है। इसके लिए डिपॉजटरी व्यवस्था के बारे में जानना बेहद जरूरी है।

एक डिपॉज़टरी अपने आप में एक ऐसा संगठन होता है, जो निवेषक की सिक्योरिटीज (जैसे–षेयर, डिबेंचर, बॉड्स, सरकारी सिक्योरिटीज और म्यूचुअल फंड यूनिट आदि) की देखभाल करता है। ये इलेक्ट्रॉनिक फॉर्म में होते है। जिनके लिए निवेषक रजिस्टर्ड डिपॉजटरी साझीदार के माध्यम से आवेदन करता है। यह सिक्योरिटीज के ट्रांजक्षन की सुविधा भी प्रदान करता है। इसकी तुलना बैंक से की जा सकती है जो डिपॉजिटरों का फंड रखता है।

वर्तमान में सेबी के साथ दो डिपॉजिटरी रजिस्टर्ड है जिनके नाम– नेषनल सिक्योरिटीज लिमिटेड (एनएसडीएल) और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विस (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) है।

एक डिपॉज़िटरी साझेदार (डीपी) अपने आप में एक एजेंट होता है जो सीधा निवेषक से जुड़ा होता है और निवेषक के लिए डिपॉजिटरी सेवा प्रदान करता है। भारत में सार्वजनिक वित्तीय संस्थान, स्थापित वाणिज्यिक बैंक, राज्य वित्तीय निगम और विदेषी बैंक काम करते हैं। ये सभी संस्थान भारतीय रिजर्व बैंक की अनुमति से काम करते हैं। ये राज्य वित्त निगमों, संरक्षक, स्टॉक ब्रोकर्स, क्लीयरिंग हाउसेज, एनबीएफसीज और षेयर को जारी करने या हस्तांतरण का काम करते हैं। एक एजेंट सेबी द्वारा निर्धारित औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद डिपॉजिटरी साझेदार (डीपी) बनता है। बैंकिंग सेवा एक ब्रांच के द्व ारा उपलब्ध होती है, जहां डीपी रजिस्टर्ड होता है। उसके बाद एक डीपी सेवा देने लगता है।

एक निवेषक के लिए यह जरूरी होता है कि स्टॉक एक्सचेंज में कारोबार करने के लिए या पब्लिक इष्यू के लिए आवेदन करने से पहले बेनीफिषियल ओनर (बीओ) खाता खुलवाए। इसे अपनी सुविधा के अनुसार खुलवाएं। यह अपने आप में एक सलाह है कि एक बीओ खाता जरूर खुलवाएं। छोटे निवेषकों के (अधिकत 500 षेयर, कीमत का विचार किए बिना) लिए स्टॉक एक्सचेंज एक अतिरिक्त व्यापारी विंडों उपलब्ध कराता है। यहां पर ये निवेषक अपने फिजीकल षेयरों को बेच सकते है। ये षेयर डीमैट रूप में लिस्टिड होते है। इन षेयरों को खरीदने वाले का पहले से ही डीमैट खाता होना चाहिए।

डिपॉजिटरी सेवा से जुड़े कुछ लाभ जैसे–

- ☐ सिक्योरिटीज रखने का एक सुरक्षित और आसान तरीका।
- ☐ तेजी से सिक्योरिटीज हस्तांतरण की सुविधा।
- ☐ सिक्योरिटीज के हस्तांतरण पर कोई स्टांप षुल्क नहीं लगता है।
- ☐ फिजीकल षेयर के कुछ दोशों से भी सुरक्षित रहते है जैसे– खराब डिलीवरी, फर्जी सिक्योरिटीज, और धोखा आदि ।
- ☐ सिक्योरिटीज हस्तांतरण में कागजी काम को घटाता है।
- ☐ मात्रा संबधी कोई दिक्कत नहीं होती है। यहां तक एक षेयर की ट्रेडिंग भी की जा सकती है।
- ☐ नोमिनेषन सुविधा।
- ☐ डीपी उन सारी कंपनियों से जुड़ा हुआ होता है, जिनके षेयर या सिक्योरिटीज निवेषक रखते हैं। इसलिए अलग से उनके साथ किसी तरह के पत्राचार की कोई जरूरत नहीं पड़ती है।
- ☐ सिक्योरिटीज का ट्रांसमिषन डीपी के द्वारा पूर्ण किया जाता है। जिसमें कंपनियों के साथ पत्राचार की जरूरत नहीं होती है।
- ☐ खाता धारक के डीमैट खाते में षेयर, बोनस, कंसोलिडेषन और मार्जर आदि अपने आप आ जाते है।
- ☐ षेयर और कर्ज के लिए एक ही खाते से काम चलाया जा सकता है।

याद रखने योग्य कुछ महत्वपूर्ण बिंदु–

- ☐ एक छोटे निवेषक को बड़े फंड में निवेष करने के लिए छूट होती है और निवेषक कितना भी निवेष कर सकता है।
- ☐ अपना धन बढ़ाने के लिए कंपनियों के लिए एक अच्छा स्रोत होता है।
- ☐ पब्लिक ट्रेडिंग या बाजार से पूंजी जुटाने के लिए कंपनियां अपने षेयरों की बिक्री करती है।
- ☐ षेयर बाजार किसी देष की अर्थव्यवस्था और विकास को प्रदर्षित करने का प्राथमिक संकेतक होता है।
- ☐ षेयर बाजार में निवेष करने से पहले इस बात की जांच पड़ताल करना चाहिए कि यह वेलिड (मान्य) है या नहीं।
- ☐ कभी कभी बाजार किसी वित्तीय या आर्थिक खबर के ऊपर अचानक से प्रतिक्रिया देता है। जबकि उस खबर से इसका स्वंय का कोई जुड़ाव नहीं होता है।
- ☐ षार्ट टर्म के लिए षेयर बाजार पर कई तरह के प्रभाव हो सकते है। जो किसी नए निवेषक के लिए कठिन होते है।

निवेष दर्शन

- ☐ प्रत्येक निवेष के जोखिम का मूल्यांकन करें।
- ☐ परिवार की कम अवधि और लंबी अवधि जरूरतों को स्पश्ट कर लें।
- ☐ जरूरत के हिसाब से निवेष का निर्णय लें।
- ☐ अगर आप किसी योजना को समझ नही पाते है तो उसमें कभी भी निवेष न करे।
- ☐ कहीं भी विश्वास के आधार पर निवेष न करें। हर जगह प्रमाण पत्रों की जांच करें।
- ☐ प्रत्येक आय के ऊपर लगने वाले कर का अनुमान जरूर लगाएं।
- ☐ बाजार के टिप्स और अफवाहों पर यकीन न करें।
- ☐ अगर कहीं कुछ ज्यादा या कम दिखाई देता है तो कुछ सोचे जरूर।
- ☐ ऐसी योजनाओं में निवेष न करें जहां हित से ज्यादा हानि की संभावना हो।
- ☐ उत्पाद को अच्छी तरह समझने के बाद ही निवेष के बारे में सोचें।

स्टॉक एक्सचेंज

स्टॉक एक्सचेंज क्या होता है?

एक स्टॉक एक्सचेंज अपने आप में एक ऐसा संस्थान होता है जो षेयरों की बिक्री , खरीद या दूसरी सिक्योरिटीज के कारोबार में सहायता करने के लिए स्थापित किया जाता है।

सक्योरिटीज क्या होती है?

सिक्योरिटीज अपने आप में एक वित्तीय उपकरण होता है। जैसे– षेयर, बॉड्स, किसी कंपनी, वाणिज्यिक संस्था या सरकार के डिबेंचर आदि। इस प्रकार स्टॉक एक्सचेंज एक ऐसा प्लेट फार्म होता है जहां खरीददार और बेचने वाले अपनी सिक्योरिटीज का ट्रांजेक्षन करते है। स्टाक एक्सचेंज क्षेत्रीय भी हो सकता है जो एक विषेश क्षेत्र के अंतर्गत ही अपनी सेवाएं देता है। और राश्ट्रीय भी हो सकता है जो सारे देष में अपनी सेवाएं देता है।

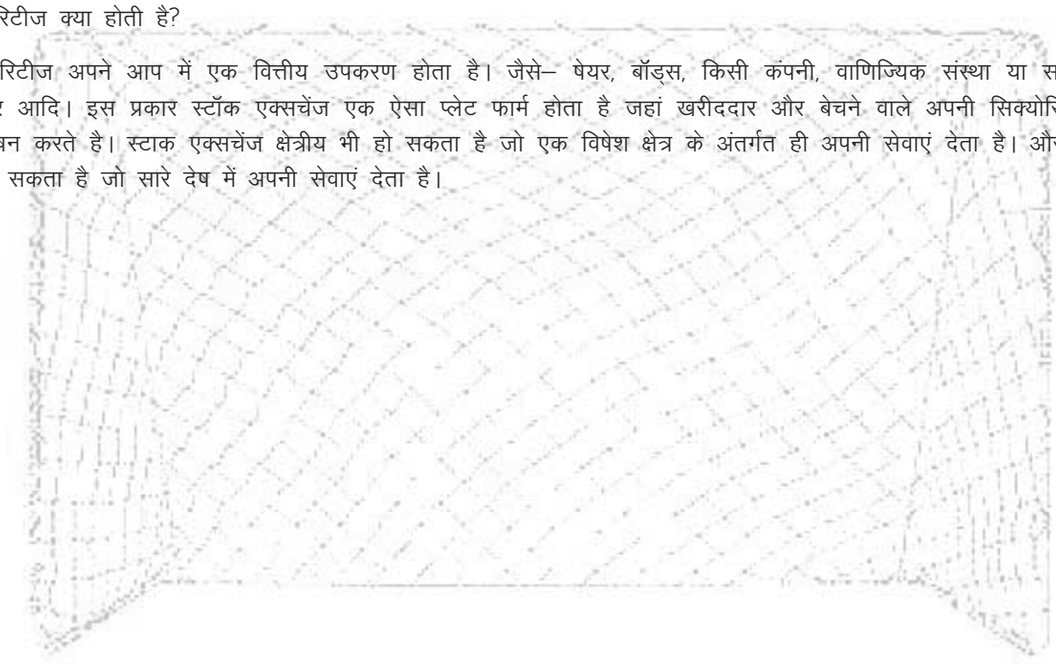

सेबी के बारे में

सिक्योरिटीज़ बाजार के द्वारा जनता को अपनी हिस्सेदारी बेचकर अपनी पूंजी में बढ़ोतरी करती है (प्राथमिक बाजार)। साथ ही सार्वजनिक कंपनियों के षेयर के कारोबार करने के योज्य भी बनाती है (द्वितीयक बाजार)। पूंजी बाजार को नियंत्रित करने और उसमें हो रहे बदलाव पर नजर रखने के लिए सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) का गठन किया गया है। इस संस्था को संसद द्वारा 1992 में गठित किया गया था। इसका काम निवेषकों के हितों की रक्षा करना भी है। इसका काम 1988 में भारत सरकार के एक आदेष के तहत षुरू हुआ था। इसका मुख्यालय मुंबई में है। जबकि दिल्ली, चेन्नई , कलकत्ता और अहमदाबाद में इसके क्षेत्रीय मुख्यालय भी है।

अगर कोई कंपनी जनता से पूंजी जुटाना चाहती है तो पहले उसे सेबी के निर्देषानुसार अपनी सारी सूचनाएं देनी होगी। उसके बाद निवेषकों के हित में ये सूचनाएं प्रकाषित की जाती है। किसी कंपनी में कुछ गड़बड़ की स्थिति में सेबी द्वारा बनाए गए नियमों के तहत निवेषकों की हितों की सुरक्षा की जाती है।

स्टॉक एक्सचेंज में स्टॉक ब्रोकर्स के माध्यम से षेयरों की खरीद और बिक्री होती है। ये तभी काम कर सकते है जब इन्हे सेबी से लाइसेंस मिला हो। उन्हे सेबी द्वारा बनाए गए नियमों का पालन करना होता है। यह निवेषकों के हितों के लिए किया जाता है। साथ ही सेबी पूंजी बाजार में काम करने वाले भागीदारों की रखवाली करता है जैसे– सब ब्रोकर्स, डिपॉजिटरी भागीदार, पोर्टफोलियो मैनेजर, व्यापारी, बैंकर्स और षेयर हस्तांतरित करने वाले अभिकर्ता आदि।

म्यूचुअल अनेक योजनाओं के अंतर्गत जनता से पैसा इकट्ठा करते है। और वे निवेषकों के लिए बाजार में निवेष करते है। ये सेबी द्वारा बनाए गए नियमों से संचालित होते है। जब म्यूचुअल फंड निवेष करते है तभी अपनी योजना के बारे में सारी जानकारी भी देते है। साथ ही निवेषक से लेने वाले फीस चार्ज आदि के बारे में भी बताते है। सेबी के नियमों के अनसार वे निवेषकों के हित के लिए समय समय पर सूचनाएं भी देते है।

सेबी समय समय पर निवेषकों को ग्राहक उन्मुख जानकारी देकर उन्हे जागरुक करती रहती है।

अधिक जानकारी के लिए देखें–www.sebi.com

Notes

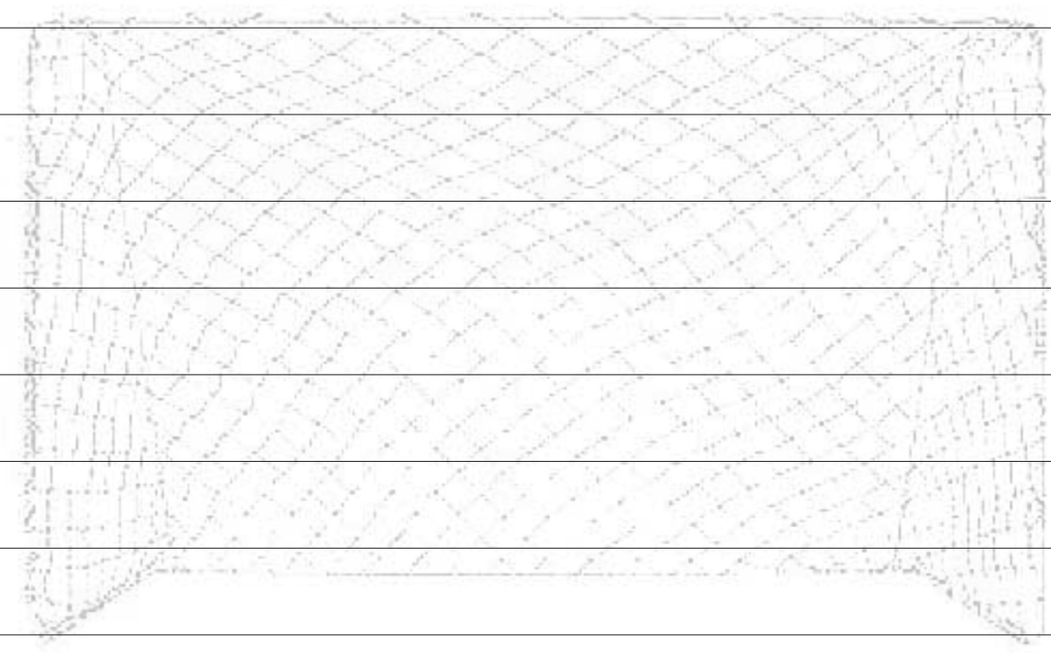

Notes

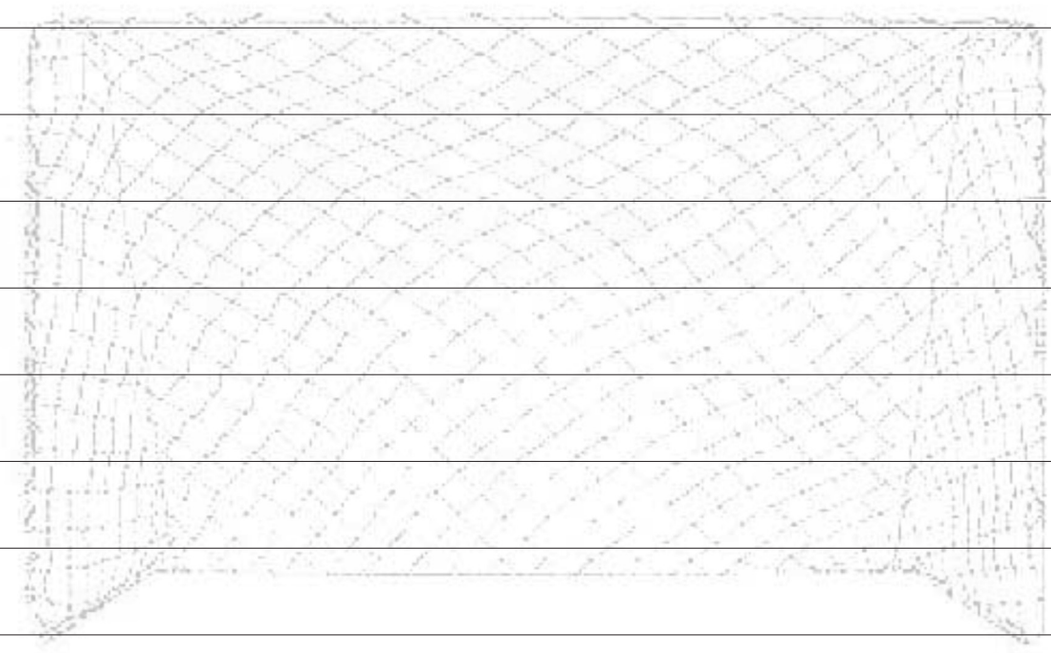

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड

भविश्य की वित्तीय षिक्षा इस आधार पर दी जाएगी–

१– स्कूली बच्चे

२– महाविद्यालय छात्र

३– मध्य आय वर्ग

४– एक्जीक्यूटिव

५– रिटायरमेंट योजना

६– घर बनाने वाले

७– स्वंय सहायता समूह

या नीचे दिए गए सिक्योरिटीज बाजार के किसी भी विशय पर –

१– एक ऑफर दस्तावेज को कैसे पढ़े?

२– स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से प्राथमिक बाजार में कैसे निवेष करें?

३– सिक्योरिटीज का कारोबार कैसे करें या निवेषक गाइड लाइन

४– डी मैट अकाउंड और डिपॉजिटिरीज

५– म्यूचुअल फंड– क्या करें क्या ना करे?

६– सामूहिक निवेष योजनाएं– क्या करें क्या ना करे?

७– षेयर को खरीदना , सिक्योरिटीज को डी लिस्ट करना।

८–रेगुलेषन का अधिग्रहण

९– निवेषकों की षिकायतें–कैसे हल करें?

कृपया देखें–

उप जनरल मैनेजर

सेबी भवन, प्लाट न. सी ४–ए,

जी ब्लाक, बांद्रा कुरिया कॉम्प्लैक्स, बांद्रा (ईस्ट), मुंबई–४०००५१

फोन–०९१–०२२२६४४६२१८

भारत में सेबी के कार्यालयों की सूची

मुख्य कार्यालय

सेबी भवन

प्लाट न. सी ४–ए,जी ब्लाक, बांद्रा कुरिया कॉम्प्लैक्स, बांद्रा (ईस्ट), मुंबई–४०००५१

टेलीफोन– ९१–२२–२६४४९०००, ४०४५९०००, ९११४

फैक्स– ९१–२२–२६४४९०२७, ४०४५९०२७

ई मेल– sebi@sebi.gov.in

(महाराश्ट्र , मध्य प्रदेष, छत्तीस गढ़, गोवा, दीव,दमन, दादरा और नगर हवेली)

उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय ५ वीं मंजिल, बैंक ऑफ बडौदा बिल्डिंग, १६ संसद मार्ग नई दिल्ली– ११०००१ टेलिफोन न.–९१–०११–२३७२४००१–०५ , फैक्स –९१–०११–२३७२४००६ ई मेल– sebinro@sebi.gov.in (हरियाणा, हिमाचल प्रदेष, जम्मू और कष्मीर पंजाब , उत्तर प्रदेष, चंडीगढ़, उत्तराखंड और दिल्ली)	दक्षिण क्षेत्रीय कार्यालय डी मोंटे बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, ३२ डी मोंटे कालोनी, टीटीके रोड़ अलवर पत, चेन्नई–६०००१८ टेलीफोन न.–९१–४४–२४६७४०००, २४६७४१५० फैक्स– ९१–४४–२४६७४००१ ई मेल– sebisro@sebi.gov.in (आंध्र प्रदेष, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पांडीचेरी, लक्षद्वीप और मिनीकोय द्वीप समूह)
पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय एल एंड टी चौंबर, तीसरी मंजिल,१६ कामक स्ट्रीट, कोलकाता– ७०००१७ टेलीफोन– ९१–३३–२२८७४३०७ ई मेल– sebiero@sebi.gov.in (आसाम, बिहार, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, उड़ीसा पष्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेष मिजोरम, त्रिपुरा, सिक्किम, झारखंड, अंदमान और निकोबार द्वीप समूह)	पष्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय यूनिट न.–००२, ग्राउंड फ्लूस सकर–१, नियर गांधी ग्राम रेलवे स्टेषन, अपोजिट नेहरू ब्रिज, आश्रम रोड़ अहमदाबाद–३८०००९ टेलीफोन न.– ९१–०७९–२६५८३६३३–३५ फैक्स–९१–०७९–२६५८३६३२ ई मेल– **sebiaro@sebi.gov.in** (गुजरात और राजस्थान)

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड